

प्रेषक,

अनूप तयावन,  
सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,  
हरिद्वार।

११ अक्टूबर

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक

दिसम्बर, 2009

विषय: कुम्भ मेला, 2010 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत GVK EMRI को 108 आपातकालीन सेवा के संचालन हेतु 28 एम्बुलेंस क्रय किए जाने की प्रशासकीय, वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, शिक्षित्वा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड शासन को सम्बोधित मुख्य संचालन अधिकारी, GVK EMRI उत्तराखण्ड के पत्र दिनांक 18.11.2008 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उक्त संगठनों के प्रस्तुत एवं शिक्षित्वा विभाग, उत्तराखण्ड शासन की प्राप्त संस्तुति के क्रम में GVK EMRI को प. दीन दयाल उपाध्याय देवभूमि 108 आपातकालीन सेवा के अन्तर्गत 28 एम्बुलेंसों (18 बड़ी तथा 07 छोटी) के क्रय हेतु रु. 250.00 लाख (दो करोड़ पचास लाख मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए, उक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष 2009-10 में व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि को प. दीन दयाल उपाध्याय देवभूमि 108 आपातकालीन सेवा के अन्तर्गत शिक्षित्वा विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अन्तर्गत तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में वर्णित प्राविधानों के अनुपालन करते हुए व्यय किया जाएगा।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का वास्तविक आवश्यकतानुसार किरातों में आहरण किया जाएगा और पूरे आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही अगली किरत का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
3. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए। कार्य पूर्ण होने के बाद इसके गुणवत्ता नियंत्रण के लिए 'वर्ड पार्टी चैकिंग' की व्यवस्था भी की जायेगी और उक्त तृतीय पक्ष से चैकिंग की रिपोर्ट शासन को भी समय-समय पर दी जायेगी। उक्त पर होने वाला व्यय उक्त अनुमोदित लागत से ही वहन किया जायेगा।
4. उक्त कार्य इसी धनराशि से पूर्ण कराये जाने का प्रयास किया जायेगा। कार्य पर उताना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गयी है।
5. श्रुति निविदा में प्राप्त एल-1 निविदा (न्यूनतम निविदा) आधार पर स्वीकृत लागत से कम धनराशि व्यय होना सम्भावित है। अतः न्यूनतम सम्भावित व्यय के अनुसार ही कम धनराशि आहरण की जायेगी तथा आहरित धनराशि के सापेक्ष कोई धनराशि बचत होती है तो उसे तत्काल सजकोष में जमा किया जायेगा।
6. एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर राक्षस प्राधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
7. इस हेतु उपकरणों/निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
9. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त पूर्ण कार्य या इसके कोई भाग के विषय में यदि कोई धनराशि अन्य विभागीय बजट से स्वीकृत की गई हो तो उसे इस योजना के प्रति बुक करके उस धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।

10. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2008 के द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय अथवा आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाए।
11. कुमा मेला, 2010 की अवधि की समाप्ति के उपरान्त उक्त 25 एम्बुलेंसों को मेला क्षेत्र से हटाकर चिकित्सा विभाग/GVK EMRI द्वारा प्रदेश में ऐसे स्थानों में संचालित कराया जाएगा, जहां 108 सेवा अब तक पर्याप्त सुचारु नहीं हो पाई है।
12. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
13. कार्य की गुणवत्ता/समयबद्धता हेतु मेलाधिकारी एवं महानिदेशक, चिकित्सा, उत्तराखण्ड/मुख्य संचालक अधिकारी GVK EMRI पूर्णतया उत्तरदायी माने जाएंगे।

2— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-1814/IV(1)/2008-39(साम0)2008-टी0सी0 दिनांक 24.11.2009 के द्वारा मेलाधिकारी, हरिद्वार के निर्वातन पर रखी गयी धनराशि रु0 100.00 करोड़ के सापेक्ष किया जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 849/XXVII(2)/2008 दिनांक 01 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,  
( अनूप खटावन )  
सचिव।

संख्या : 1712 (1)/IV(1)/2008 तददिनांक : 01/01/2010

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टॉफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गवर्नल मण्डल, पीडी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार/मुजफ्फरनगर।
8. परित्त कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. मुख्य संचालक अधिकारी, GVK EMRI, उत्तराखण्ड।
12. गार्ड फ़ाइल।

आज्ञा से,  
( अनूप खटावन )  
सचिव।